लापरवाही | किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा विद्युत मंडल

स्कूल के पास खुला पड़ा बिजली का बॉक्स

स्कूली बच्चों और राहगीरों पर मंडरा रहा मौत का खतरा

यह मार्ग शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के ठीक पास है, जिसके कारण सुबह और शाम को यहां से सैकड़ों छात्र गुजरते हैं। साथ ही रिंग रोड होने की वजह से भारी और दोपहिया वाहनों की आवाजाही चौबीसों घंटे रहती है। जलभराव के दौरान यदि कोई बच्चा या राहगीर अनजाने में इस पानी में डूबे हुए बॉक्स के पास से गुजरा, तो एक बड़ी जनहानि होना निश्चित है।

नवभारत, कटंगी जबलपुर। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगी के समीप रिंग रोड पर मध्य प्रदेश विद्युत मंडल द्वारा लगाया गया ट्रांसफार्मर और बिजली का बॉक्स स्थानीय नागरिकों और स्कूली बच्चों के लिए मौत का कुआं बन गया है।

बताया जाता है कि इस बिजली के बॉक्स का मुख्य दरवाजा पूरी तरह से खुला हुआ है, जिससे इसके भीतर के हाई-पॉवर लाइन वायर (चालू तार) सीधे जमीन और हवा के संपर्क में हैं। जो बारिश के पानी में डूब जाता है खुला बॉक्स मानसून की शुरुआत के साथ ही कटंगी रिंग रोड पर जलभराव की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। मामूली बारिश होते ही इस मुख्य सड़क पर पानी भर जाता है। सड़क किनारे लगा यह खुला बिजली का बॉक्स भी इस जलभराव के कारण पानी में आधा डूब जाता है। पानी और बिजली के इस सीधे संपर्क से पूरी सड़क और आसपास के पानी में करंट फैलने का खतरा हर पल बना रहता है।

शिकायत के बाद भी कुंभकर्णी नींद में सो रहे जिम्मेदार

स्थानीय सजग नागरिकों ने इस गंभीर समस्या की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से विभाग तक पहुंचाई हैं। इसके बावजूद संबंधित कनिष्ठ अभियंता (जेई) और विद्युत मंडल के अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। बिजली विभाग की इस घोर लापरवाही को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि जिम्मेदार अधिकारी किसी बहुत बड़ी दुर्घटना या मासूम की मौत का इंतजार कर रहे हैं, उसके बाद ही उनकी कुंभकर्णी नींद खुलेगी।

प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग

कटंगी के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन और विद्युत मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि संबंधित जेई को तुरंत निर्देशित कर इस बॉक्स को बंद कराया जाए और इसे सुरक्षित स्थान पर ऊपर शिफ्ट किया जाए। यदि जल्द ही इस पर एक्शन नहीं लिया गया, तो क्षेत्र की जनता उग्र आंदोलन के लिए विवश होगी।

5 माह की मासूम को छीनकर भागने वाला धराया

जीआरपी ने घटना के चंद घंटों के अंदर आरोपी को दबोचा

जबलपुर, नवभारत। शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) जबलपुर रेंज के अंतर्गत सागर जीआरपी ने बघौरा रेलवे स्टेशन से पांच माह की मासूम बच्ची को छीनकर भागने वाले आरोपी को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

जीआरपी की त्वरित कार्रवाई और स्थानीय लोगों के सहयोग से बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। जीआरपी के अनुसार, फरियादी मिथुन सहरिया (35), निवासी ग्राम कठवर, थाना बार, ललितपुर ने सागर जीआरपी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी बहन दुर्गा के साथ बघौरा स्टेशन पर मौजूद था। इसी दौरान आरोपी ने उसकी पांच माह की बच्ची को गोद से छीन लिया और भागने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद लोगों की सतर्कता से आरोपी को पकड़ लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया।

मामला दर्ज कर भेजा गया जेल

प्रकरण में जीआरपी ने भारतीय न्याय संहिता में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। पूछताछ में आरोपी छोटू खटीक (35), निवासी खटीक मोहल्ला, नाराहट, जिला ललितपुर ने घटना स्वीकार कर ली। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट मिलने पर केंद्रीय जेल सागर भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में जीआरपी थाना प्रभारी एच.एल. चौधरी, प्रधान आरक्षक भानु प्रताप और आरक्षक राकेश यादव की सराहनीय भूमिका रही।

तेंदुपत्ता तोड़ने की मजदूरी व बोनस देने में वन विभाग का क्यों छूटता है पसीना?

चिल्हारी नवभारत 10 जुलाई। प्राण संकट में डालकर जंगली जानवरों के बगल से मार्च-अप्रैल में तेंदूपत्ता तोड़कर लाने वाले मजदूरों की मजदूरी और बोनस की राशि का भुगतान वन विभाग द्वारा आज तक नहीं किया गया।

गोदाम में रखे तेंदूपत्ता का अच्छे महंगे दामों में बिक्री होते ही बोनस राशि का निर्धारण हो जाता है अर्थात जिस समिति का पत्ता जितने अच्छे दामों में और जितना जल्द बिक कर उसका व्यापारियों द्वारा वर्ष के अंदर जल्द उठाव करवा लिया जाता है उतने ही अच्छे दर पर उस समिति का बोनस बनने का नियम है, जो श्रमिकों को देने का प्रावधान है।

बहाने बताकर भुगतान रोका जाता है-इसके बाद भी विभिन्न बहाने बता कर कई सालों तक उक्त बोनस राशि का वितरण नहीं करना वन विभाग पर कई प्रकार के प्रस्न चिंह खड़ा करता है। सूत्रों की माने तो सरमनियां, गोबरातात, बल्हौंड़, मानपुर के सांथ मानपुर क्षेत्र के कई तेंदूपत्ता समितियों की यह स्थिति कई सालों से चल रही है। सरमनिया समिति के संग्राहकों को सन् 2022, 24 और 25 के बोनस राशि का वितरण आज दिनांक तक नहीं किया गया है।

नगर निगम मजिस्ट्रेट ने डेरियों पर की कार्रवाई, मचा हड़कंप

ऑन-द-स्पॉट जुर्माना, डेयरी प्रोडक्ट के लिए गए सैम्पल, संभाग क्रमांक 3 एवं 4 के क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने चलाया अभियान

जबलपुर, नवभारत। नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम लगातार कार्यवाही कर रहा है। नगर निगम द्वारा संभाग क्रमांक 3 एवं 4 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया।

यह कार्यवाही नगर निगम मजिस्ट्रेट अरूण कुमार गोयल के द्वारा नगर निगम एवं खाद्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कार्यवाही की गयी। इस कार्रवाई के तहत मिलावट की आशंका को दूर करने के लिए दूध और पनीर के सैंपल जब्त किए गए, साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों पर ऑन-द-स्पॉट जुर्माना भी लगाया गया।

दूध-पनीर के लिए गए सैंपल

नागरिकों को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ प्रशासनिक टीम ने क्षेत्र की प्रमुख डेयरी दुकानों नरेंद्र डेयरी, मदर डेयरी, पूजा डेयरी और न्यू पूजा डेयरी से दूध एवं पनीर के सैंपल जब्त किए गए। इन सभी सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है, ताकि नागरिकों तक पहुंचने वाले खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। कार्यवाही के दौरान निगम मजिस्ट्रेट गोयल के साथ स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, धर्मेन्द्र राज, अर्जुन यादव, पोलाराव, एवं समस्त मुख्य स्वच्छता निरीक्षक और स्वच्छता निरीक्षकों के साथ कार्यवाही की।

स्पॉट फाइन और प्रतिबंधित पॉलिथीन पर कार्रवाई

लापरवाही बरतने वाले दुकानदारों को कड़ा संदेश देते हुए टीम ने मौके पर ही सख्त कदम उठाए। टीम ने मानकों की अनदेखी करने पर दो डेयरी संचालकों के खिलाफ 4,000 रुपये का स्पॉट फाइन किया। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए, दुकानों पर प्रतिबंधित सिंगल-यूज पॉलिथीन का उपयोग करने वालों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की गई और जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के समय मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक आनंद राव, वैभव तिवारी, टीम में सुपरवाइजर सहित अन्य निगम कर्मी उपस्थित रहे।

एक नजर में

बरगी ब्लॉक के मंडलम अध्यक्ष बने सुरेन्द्र श्रीपाल

सुकरी मंगेला, नवभारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश एवं जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर ग्रामीण की अनुशंसा पर सुरेन्द्र श्रीपाल को बरगी ब्लॉक के सुकरी मंडलम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पर पार्टी के पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करने की शुभकामनाएं दी हैं। पार्टी ने विश्वास जताया है कि सुरेन्द्र श्रीपाल अपने दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देंगे।

मारियो पीटर का निधन

नवभारत, जबलपुर।

व्हीएफजे निवासी मारियो पीटर का शुक्रवार को 61 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज 11 जुलाई को दोपहर 1 बजे उनके निज निवास से बिलहरी कब्रिस्तान प्रस्थान करेगी, वहां दोपहर 2 बजे पवित्र मिस्सा संपन्न होगा। वे बेनजी प्रकाश थॉमस के भाई थे।

सामुदायिक भवन का स्लैब गिरा, एक मजदूर घायल

डिंडोरी। जिले के चटुवा ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का स्लैब ढलाई के दौरान गिर गया। गुरुवार शाम करीब साढ़े सात बजे हुई घटना में एक मजदूर मलबे में दबकर घायल हो गया, जबकि दो अन्य मजदूरों ने बल्ली से लटककर अपनी जान बचाई। मजदूर प्रहलाद कोल ने बताया कि घटना के समय करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सेंटिंग में गड़बड़ी या मशीन की खराबी के कारण देखते ही देखते सेंटिंग प्लेट और बल्लियां भरभराकर गिर गईं। वहीं, इंजीनियर फिरोज खान के अनुसार, घटना के तुरंत बाद काम बंद करवा दिया गया और घायल मजदूर को अस्पताल भिजवाया गया, जो प्राथमिक इलाज के बाद ठीक है। ग्रामीण प्रकाश चंदेल ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य वित्त आयोग से लगभग 24 लाख 99 हजार रुपए की लागत से यह सामुदायिक भवन 2025 में बनाया जाना है।

पैडी ट्रांसप्लांटर से धान रोपाई कर कृषक कर सकते हैं बचत

कृषि विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर किया निरीक्षण

पाटन, नवभारत। किसानों को आधुनिक खेती और उन्नत तकनीकों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कृषि विभाग की टीम द्वारा लगातार क्षेत्र भ्रमण कर कृषकों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। धान की रोपाई हेतु पर्याप्त वर्षा हो जाने के बाद क्षेत्र के किसानों ने धान रोपाई का कार्य तेजी से प्रारंभ कर दिया है। भ्रमण के दौरान टीम ग्राम उजरोंड के स्थानीय कृषक रुपेश पटेल के द्वारा अपने खेतों में पैडी ट्रांसप्लांटर (धान रोपाई मशीन) के माध्यम से आधुनिक तरीके से धान की रोपाई की जा रही थी। कृषि विभाग की टीम ने मौके पर पहुँचकर इस कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया और किसान के इस प्रयास की सराहना की।

कृषक रुपेश पटेल द्वारा बताया गया कि मशीन से रोपाई करने पर मजदूरों की समस्या से राहत मिलती है और कार्य तेजी से पूरा होता है। टीम ने कृषक रूपेश पटेल से चर्चा की और उन्हें आगामी फसल प्रबंधन, खाद व पानी के सही उपयोग को लेकर आवश्यक तकनीकी सलाह दी।आधुनिक कृषि यंत्रों के इस सफल प्रयोग को देखकर आस-पास के अन्य किसानों में भी इस तकनीक को अपनाने के प्रति काफी उत्साह देखा गया।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन, डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने पैडी ट्रांसप्लांटर के फायदों के बारे में विस्तार से देते हुए कहा कि पारंपरिक विधि से धान लगाने में प्रति एकड़ लगभग 6-7 हजार रुपये का खर्च आता है, जबकि इस मशीन से रोपाई करने पर यह खर्च घटकर मात्र 3 हजार रुपये प्रति एकड़ रह जाता है। इसके अलावा मशीन के उपयोग से लेबर की समस्या से पूरी तरह निजात मिलती है।

कतार से कतार की रहती है पर्याप्त दूरी

इस मशीन से कतार से कतार की दूरी एक समान रहती है, जिससे खेत में खरपतवार नियंत्रण आसानी से की जा सकती है। इसमें कम अवधि (21 दिन) की पौध की रोपाई होती है, जिससे धान में अधिक कंसे निकलते हैं, कीट-व्याधियों का प्रकोप कम होता है और अंततः उत्पादन अधिक प्राप्त होता है।

शासन से मिलता है 5 लाख का अनुदान

इस आधुनिक धान रोपाई मशीन की कुल लागत 14 लाख 40 हजार रुपये है। किसानों को आधुनिकता से जोड़ने के लिए शासन द्वारा इस पर 5 लाख रुपये का अनुदान भी दिया जा रहा है। इन यंत्रों का आवेदन कृषि अभियांत्रिकी के ऑनलाइन पोर्टल द्वारा किए जाते हैं।

ये रहे उपस्थित

भ्रमण के दौरान कृषि विभाग की टीम में अनुविभागीय कृषि अधिकारी डॉ इंदिरा त्रिपाठी के साथ साथ वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पीके श्रीवास्तव, सीमा राउत प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी प्रियांशी नाग, इशिता श्रीवास्तव एवं राहुल मिश्रा, किसान घनश्याम पटेल, राजकिशोर पटेल, अमन पटेल, रंजीत पटेल, कल्लू सिंह ठाकुर उपस्थित रहे।

8 दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों की सेवा समाप्त

कार्य में लापरवाही पर नगर परिषद की बड़ी कार्रवाई, नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं दिया

डिण्डौरी, नवभारत 10 जुलाई। नगर परिषद डिण्डौरी में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कार्य में लगातार लापरवाही और बिना अनुमति अनुपस्थित रहने पर आठ दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी वेद प्रकाश पुरी गोस्वामी ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार नगर परिषद के सभी सफाई कर्मचारियों का जोनवार कार्य विभाजन किया गया था। प्रत्येक कर्मचारी को वार्ड एवं कार्यस्थल निर्धारित कर नियमित रूप से सफाई, कचरा संग्रहण तथा नालियों की सफाई का दायित्व सौंपा गया था।

स्वच्छता कार्य में लगातार बरत रहे थे लापरवाही-स्वच्छता प्रभारी एवं सफाई दरोगा द्वारा किए गए निरीक्षण और उपस्थिति प्रतिवेदन के परीक्षण में पाया गया कि कुछ कर्मचारी बिना पूर्व सूचना अपने कार्यस्थलों से अनुपस्थित रहे संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर भी दिया गया, लेकिन संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

इनकी सेवाएं समाप्त की गई

इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए प्रकाश डोंगरे, दुर्गेश डोंगरे, रजरानी चौहान, राकेश (पिता ठाकुरदीन), त्रिशाल, सुरेंद्र, रानी चंचोल तथा राजेंद्र विश्वकर्मा की दैनिक वेतनभोगी सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गईं।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में अवैध शराब के 10 प्रकरण दर्ज

54 लीटर कच्ची शराब सहित विदेशी एवं देशी मदिरा जब्त

डिंडौरी, नवभारत। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आबकारी विभाग द्वारा 08 एवं 09 जुलाई 2026 को विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही की गई। आबकारी वृत्त डिंडौरी एवं शहपुरा में अवैध शराब के संबंध में प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर 10 प्रकरण दर्ज किए गए।कार्यवाही के दौरान कुल 54 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, 8 पाव देशी प्लेन मदिरा तथा 22 पाव विदेशी मदिरा जब्त की गई। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत 14 हजार 220 रुपये आंकी गई है। आबकारी विभाग द्वारा सुरेश यादव, सत्यम पारासर, सरोजनी वनवासी, अनीता बाई मरावी, ओमप्रकाश यादव, विद्या बाई, रामचरण, प्रकाश वनवासी, सोना बाई तथा साहबराय यादव के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्यवाही कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी पतरस बड़ा के मार्गदर्शन में आबकारी उप निरीक्षक सम्हर सिंह धुर्वे एवं आबकारी विभाग के मैदानी अमले द्वारा संपादित की गई।

सड़क, नाला निर्माण की मांग को लेकर पार्षद ने दिया धरना

खितौला बाजार से मंडी गेट तक बनना है सड़क, टेंडर होने के बाद भी सड़क निर्माण नहीं हो रहा

सिहोरा, नवभारत। कांग्रेस द्वारा खितौला बाजार से मण्डी गेट तक सी सी रोड सहित नाला निर्माण की मांग को लेकर आयोजित धरना प्रदर्शन में भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने उपस्थित होकर नगरीय प्रशाशन से समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की।

विदित हो कि इस्थानीय नागरिकों सहित छात्र छात्राओं एंव किसानों को लम्बे समय से आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा रहा है। अनेक प्रयासों के बाद सड़क निर्माण की सौगात तो मिली लेकिन नगर पालिका की लेट लतीफी के कारण टेण्डर होने के चार माह बाद भी लोगों को समस्या से निजात नहीं मिल सकी।

खितौला रोड पर लगाया जाम

वार्डवासियों की समस्या को देखते हुऐ प्रदेश सचिव एवं वार्ड 13 के पार्षद राजेश चौबे के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षद, काग्रेसजनों एवं स्थानीय नागरिकों ने कृषि उपज मंडी गेट के सामने 3 घंटे धरना दिया एवं खितौला नगर जाने वाली रोड को जाम कर दिया था। लंबे समय तक नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर सभी लोग आक्रोशित होकर नेशनल हाइवे पर जाकर धरना देने विवश हो गये।काफ़ी देर बाद थाना प्रभारी के द्वारा नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा धरना स्थल पर पहुंच कर समस्या के शीघ्र निराकरण का अश्वाशन दिये जाने पर धरना प्रदर्शन का समाप्त किया गया।

इस अवसर पर मंजू मिश्रा,अमोल चौरसिया, प्रकाश कुररिया, बाबा कुरैशी, पवन सोनी, पार्षद रमेश पटेल, माधुरी गणेश दाहिया, ममता गोटिया, राजेश पटेल, रामलोचन कोल, लाल बहादुर पाठक, सुभाष यादव, संतोष पाण्डे, अजय पाठक, जितेन्द्र तिवारी, फैज आलम शाह, रमा चौरसिया, संदीप शुक्ला, मन्नू शुक्ला, प्रांजल सराफ, सचिन श्रीवास्तव, रिंकू शर्मा, मनीष बिरहा, सतेन्द्र पटेल, शैलू ठाकूर, शेख साबिर, मंसूर मंसूरी, प्रभात तिवारी, गुड्डा भाईजान, अजय प्यासी, विनोद चौरसिया, नंदू सेन, अनुज राजपूत, अभिमन्यु अवस्थी, दीपक तिवारी, गुड्डा दुबे, उमाकांत चौरसिया, कमलेश सोनी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धांधली | मझौली जनपद में फरियाद लेकर पहुंचे ग्रामीणों को खाली मिला दफ्तर, फूटा गुस्सा

125 गरीबों के नाम काटकर अपात्रों को कर रहे उपकृत

गरीबों के नाम सूची से गायब, अंतिम सूची में केवल134 नाम दर्ज

ग्रामीणों ने खुलेआम आरोप लगाया है कि जिन 134 लोगों के नाम पास किए गए हैं, उनमें से कई लोग संपन्न हैं, पक्के मकानों के मालिक हैं और योजना के मापदंडों के हिसाब से अपात्र हैं। सांठगांठ के चलते अपात्रों को सूची में चमका दिया गया और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले 125 गरीबों को लिस्ट से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

मझौली, नवभारत, जबलपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (प्लस 2.0) में भ्रष्टाचार और धांधली का एक बड़ा मामला मझौली जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी अमगवा से सामने आया है। जहां सरकारी सिस्टम की अंधेरगर्दी से परेशान होकर जब दर्जनों ग्रामीण अपनी गुहार लगाने जनपद कार्यालय पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनका खून खौल गया।

जनता के टैक्स से मोटी तनख्वाह उठाने वाले साहब और बाबू दफ्तर से गायब थे। ज्ञापन थामने के लिए भी कोई जिम्मेदार कुर्सी पर मौजूद नहीं था। इसके बाद जनपद परिसर में ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों और ज्ञापन के अनुसार, देवरी अमगवा में पीएम आवास प्लस योजना के तहत पहले **251 परिवारों का बकायदा सर्वे** किया गया था। ये वो लोग थे जो कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं। लेकिन जब अंतिम सूची का प्रकाशन हुआ, तो ग्रामीणों के पैरों तले जमीन खिसक गई।

दफ्तर से नदारद मिले मुख्य कार्यपालन अधिकारी

अपनी कटी हुई छतों और अधूरे सपनों की फरियाद लेकर जब पीड़ित ग्रामीण जनपद पंचायत कार्यालय मझौली पहुंचे, तो वहां प्रशासनिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा देखने को मिली। मुख्य कार्यपालन अधिकारी से लेकर अन्य जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी अपनी कुर्सियों से गायब थे। काफी देर तक ग्रामीण इधर-उधर भटकते रहे कि कोई उनका ज्ञापन ले ले, लेकिन दफ्तर में सन्नाटा पसरा हुआ था। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, मझौली जनपद में अधिकारियों का गायब रहना अब आम बात हो चुकी है।

ग्रामीणों ने दी चक्काजाम की चेतावनी

इस पूरी धांधली के खिलाफ देवरी अमगवा के ग्रामीणों ने एकजुट होकर आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। ग्रामीणों ने साफ लफ्जों में चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों के भीतर इस फर्जीवाड़े पर रोक लगाकर पुनः जांच शुरू नहीं की गई, तो समस्त ग्रामवासी जबलपुर-सिहोरा मार्ग पर उग्र आंदोलन और चक्काजाम करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जनपद प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि अंतिम सूची को तत्काल निरस्त किया जाए और देवरी अमगवा में दोबारा भौतिक सत्यापन कराया जाए। एवं जानबूझकर गरीबों के नाम काटने वाले दोषी सचिव, जीआरएस और जांच अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। सूची में शामिल किए गए संपन्न और अपात्र लोगों के नाम तुरंत हटाए जाएं। ज्ञापन सौंपने और प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से राजकुमार, उमा मेहरा, रजनी मेहरा, सरोज, सपना मेहरा, रसलेश साहू, राजेंद्र कुमार सोनी, चंदन मेहरा, प्रहलाद मेहरा, आशीष तिवारी, नन्नू कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग शामिल रहे। इस मामले में जब जनपद के जिम्मेदार अधिकारियों से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो उनका फोन 'नॉट रीचेबल' आया या उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

इनका कहना है

हम अपना मजदूरी का काम छोड़कर, किराया लगाकर यहां साहब को अपनी व्यथा सुनाने आए थे। लेकिन यहां तो पूरा दफ्तर ही खाली पड़ा है। गरीबों की सुनने वाला कोई नहीं है। अपात्रों से पैसा खाकर हमारे नाम काटे गए हैं, इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

राजकुमार एवं चंदन मेहरा, पीड़ित ग्रामीण